शांति सरोवर। शांति सरोवर में आयोजित तनाव प्रबंधन शिविर में केन्द्रीय आरक्षित पुलिस बल (सि.आर.पी.एफ.) के जवानों को तनाव से मुक्ति प्राप्त करने के लिए राजयोग की शिक्षा देते हुए ब्र.कु.भूमिका

नामली (रतलाम)। 77वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती पर शिव ध्वज लहराते हुए ब्र.कु.अनिता, ब्र.कु.सविता, डीएसपी आर.पी. रावत, न.पा. अध्यक्ष सज्जनदेवी भरावां, ब्र.कु.पुजा योगी, समाजसेवी राजेन्द्र पोरवाल एवं ग्राम निवासी

रामबाग। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित शान्ति यात्रा में शान्ति का संदेश देते हुए ब्रहमा कुमार भाई - बहनें

पियोरा (छ.ग.)। राजयोग शिविर का उद्घाटन करते हुए समाज सेवी बलविंदर सिंह, ब्र.कु.पुष्पा बहन

चरोदा (भिलाई)। स्व जोगेन्द्र सिंह ठाकुर की स्मृति में रेलवे द्वारा आयोजित क्रिकेट मैच में विजेता टीम को ट्राफी प्रदान करते हुए ब्र.कु.शिवानी एवं ब्र.कु.रवि बहन

भवानी मंडी। सम्पूर्ण स्वास्थ्य शिविर का दीप प्रज्जवलन कर उद्घाटन करते हुए ब्र.कु.डॉ. जमीला, तहसीलदार हनुमान सिंह गुर्जर, चेयरमेन राजोरा जी एवं अन्य

सर्व के पिता एक शिव परमात्मा - ब्र.कु.शीलू

कोटा (राज.)। 'सत्यम् शिवम् सुंदरम्' विषय को लेकर महाशिवरात्रि का पर्व शहर के सभी ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्रों द्वारा संगठित रुप से हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम, शहर के व्यस्ततम एवं प्रमुख सड़को पर बैंड, घोड़े, कलशधारी माताएं एवं झाँकियो से सजे वाहनो से सुसज्जित रैली निकालकर शिवरात्रि का आध्यात्मिक रहस्य एवं परमात्म अवतरण का संदेश लोगों तक पहुचाया गया। रैली मे 'कलियुग का महाविनाश', 'सर्व के पिता शिव परमात्मा', 'त्रिमूर्ति', 'महिला सशक्तिकरण' समेत कुल सात झाकियों का प्रदर्शन किया गया। सर्व के पिता शिव परमात्मा की झाँकी को लोगों एवं मीडिया ने विशेष रुप से सराहा। रैली के पश्चात भव्य समारोह का आयोजन किया गया। जिसमे विधायक ओम् बिड़ला, महापौर रत्ना जैन, आयकर आयुक्त पुरुषोत्तम त्रिपुरी समेत शहर के अनेक गणमान्य नागरीक उपस्थित थे। कार्यक्रम के विशेष अतिथि ब्रह्माकुमारी शीलू दीदी (मा.आबू) तथा मुख्य अतिथि ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी (इंदौर) थे। ब्रह्माकुमारी शीलू दीदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि परमात्मा शिव साधारण मानव के तन मे अवतरित होकर उनके मुख से सर्व आत्माओं को गीता ज्ञान एवं सहज राजयोग की शिक्षा देकर अधर्म का विनाश तथा एक सत-धर्म की पुनर्स्थापना कराते है। परमात्मा का अवतरण पतित आत्माओ को पावन बनाने के लिये होता है। इसलिए परमात्मा का अवतरण पुरानी दुनिया में होता हैं। समारोह के अंत में गिनिज़ बुक रिकॉर्डधारी ब्र.कु. रानी रायकवार ने बालों से ट्रक खींचने का प्रदर्शन कर दर्शको को मुग्ध कर दिया।

आत्म-ज्योति को जागृत करना ही शिवरात्रि का यथार्थ जागरण

रामगंज मंड़ी (राज.)। शिवरात्रि के अवसर पर लोग रात को शिव की आराधना करते हुए जागरण करते है। वास्तव में जागरण में जागकर नही अपितु आत्मा की ज्योति को जागृत कर जीवन की बुराईयों को त्यागना ही परमात्मा शिव से सुख और शान्ति का वरदान लेने के समान है। ऐसे त्योहारों पर दिनभर भूखे प्यासे रहकर उपवास, व्रत किया जाता है। लेकिन इसकी सार्थकता तभी है जब हम भोजन आदि के त्याग की बजाएं पांच खोटे सिक्को का अर्थात् पांच विकारो का त्याग कर सत्कार्य करने लगेंगे और सदा परमात्मा की स्मृति में रहेंगे। इन पांच मनोविकारो ने ही आत्मा को क्षीण किया है। सर्वशक्तिमान परमात्मा शिव को केवल याद करने मात्र से ही क्षीण आत्मा शक्तिशाली बनती है। परमात्मा से विमुख होना ही हमारे क्लेश का मुख्य कारण है। जीवन में आध्यात्मिकता का अभाव ही समस्याओ को जन्म देता है।

उक्त उद्गार इंदौर ज़ोन की क्षेत्रीय समन्वयक ब्रह्माकुमारी हेमलता ने गुजराती भवन में 77 वीं त्रिमूर्ति शिवजयंति के उपलक्ष में आयोजीत आध्यात्मिक समागम 'महाशिवरात्रि महोत्सव' में व्यक्त किये।

इस आध्यात्मिक समागम का अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवलन कर शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर 'सबका मालिक एक है' इस गीत के माध्यम से परमात्मा के 'सर्वमान्य' होने का संदेश दिया गया तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में विधायक चंद्रकांता मेघवाल, पालिकाध्यक्ष मनोजभाई पटेल, नायब जिलाधिश शंभुदयाल मीणा तथा भाजपा जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र जैन विशेष अतिथि के रुप मे मंचासिन थे।

महाशिवरात्रि महोत्सव के अंतिम चरण में कोटा से पधारी ब्रह्माकुमारी उर्मिला ने सबको आत्मानुभूति कराई तथा समस्त अतिथियों को स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया गया। मंच का कुशल संचालन ब्रह्माकुमारी शीतल ने किया।

अमृतसर। शिव जयंति के अवसर पर निकाली गई शोभायात्रा में ब्र.कु.राज। शिवध्वज लिए परमात्म स्मृति में खड़े हैं ब्रह्माकुमार भाई-बहनें।

शांतिवन। ब्रेड डिपार्टमेंट का उद्घाटन करते हुए दादी जानकी, दादी हृदयमोहिनी, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.सूर्य, ब्र.कु.मृत्युंजय, ब्र.कु.भरत, ब्र.कु.राजशेखर, ब्र.कु.श्रीराम तथा अन्य।